पानी बचाने की आदत डालनी होगी

कार्यशाला में हुआ जल संचय पर मन्थन

झाँसी : भूगर्भ जल संचय एवं प्रबन्धन पर आयोजित कार्यशाला में सरकार के नुमाइन्दे, स्थानीय प्रशासन, सामाजिक संगठन और जनप्रतिनिधि सिर जोड़कर बैठे। सूखे से बने हालातों पर चर्चा की गई, तो सुझावों के साथ समाधान खोजने का प्रयास किया गया। माना गया कि जब तक लोग पानी बचाने की आदत नहीं डालेंगे, तब तक समस्या का निराकरण नहीं होगा। जनसहभागिता से जल संरक्षण करने पर जोर दिया गया।

राष्ट्रीय जल मिशन के तहत अतिदोहित की श्रेणी में आए देश के 1 हजार से अधिक विकास खण्ड में जल प्रबन्धन के उपाय तलाशे जा रहे हैं। इसके लिए बुन्देलखण्ड के अलावा विशाखापट्टनम, बैंगलोर, कोयम्बटूर, जोधपुर, चण्डीगढ़ व बड़ौदरा में कार्यशालाएं आयोजित कर जल प्रबन्धन पर मन्थन किया जाना है। अभियान की शुरूआत आज झाँसी में आयोजित कार्यशाला से हुई, जिसका उद्घाटन संयुक्त सचिव जल संसाधन मन्त्रालय भारत सरकार नीतीश्वर कुमार के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए संयुक्त सचिव ने कहा कि देश में 617 जनपद के 1 हजार से अधिक विकास खण्ड में पानी धरातल की गहराई में समा गया है। यहाँ परिवर्तन लाना होगा, जो जन सहभागिता से ही सम्भव है। लोगों को पानी बचाना अपनी आदत में शामिल करना होगा। जल संरक्षण को लेकर किए गए अच्छे कार्यों को साझा करें, तो अन्य लोग भी इसे अपनाकर स्थितियों में सुधार ला सकें। ललितपुर जनपद में जल सहेलियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए संयुक्त सचिव ने कहा कि इनके कार्यों पर फिल्म बनाकर अन्य क्षेत्रों को भी दिलानी चाहिए, इससे प्रोत्साहन मिलेगा। सलाहकार राष्ट्रीय जल मिशन सीवी धर्माराव ने कहा कि बुन्देलखण्ड के 32 से अधिक विकास खण्ड में पानी ज़मीन की गहराई में समा गया है। पर, यहाँ सुधार की काफी गुंजाइश है। अगर पुरानी जल संरक्षण इकाइयों को संरक्षित किया जाए, तो जल स्तर में तेजी से सुधार हो सकता है। निदेशक गिरिराज गोयल व परामर्शदाता डॉ. हरिनारायण तिवारी ने भी जल संरक्षण के उपायों पर चर्चा की। मण्डलायुक्त कुमुदलता श्रीवास्तव ने मण्डल की भौगोलिक संरचना के बारे में जानकारी देते हुए ड्रिप इरिगेशन व स्प्रिंक्लर के माध्यम से सिंचाई करने की सलाह दी। केन्द्रीय विद्यालय के बच्चों ने पानी बचाओ-जीवन बचाओ पर लघु नाटिका प्रस्तुत की, जिसका संयोजन डॉ. नीति शास्त्री ने किया। वीरेन्द्र सिंह ने संचालन किया।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रधान व अन्य।

यह बोले डीएम

- 'इस वर्ष पर्याप्त वर्षा होने से तालाब, पोखर भर गए हैं, जिससे पानी को लेकर शिकायतें कम हो गई हैं। बुन्देलखण्ड में जागरुकता के अभाव से समस्या अधिक है। अगर पानी पंचायतें प्रभावशाली ढंग से कार्य करें, तो सुधार आएगा।'
  - **शिव सहाय अवस्थी**, जिलाधिकारी झाँसी
- 'जालौन जनपद में 338 चेकडैम तथा 463 तालाबों का जीर्णोद्धार किया गया है। इसके साथ ही 150 क्षतिग्रस्त चेकडैम सुधारे गए, जिससे पर्याप्त जल संचय हो रहा है।'
  - **डॉ. मन्नार अख्तर**, जिलाधिकारी, जालौन
- 'भूगर्भ जल का लगातार दोहन हो रहा है। पथरीला क्षेत्र होने से वर्षा जल भूगर्भ में नहीं जा रहा है, जिससे समस्या अधिक हो रही है। महोबा के दो ब्लॉक अतिदोहित हैं, जहाँ बोरिंग पर प्रतिबन्ध किया गया है। जनपद में वैज्ञानिक पद्धति से खेती को प्रमोट करना होगा।'
  - **सहदेव**, जिलाधिकारी महोबा

यह आए सुझाव

ग्राम प्रधान सैयर कामता प्रसाद ने कहा कि यहाँ की मिट्टी सख्त है, जिससे खुदाई नहीं हो पाती है। अगर मशीन से मिट्टी खुदाई की अनुमति मिल जाए, तो कार्य बेहतर होगा। बीडीओ चिरगाँव सुभाष नेमा ने जल संचय की जानकारी दी। ताराग्राम के प्रतिनिधि ने जल संचय पर पावर पॉइण्ट प्रेजेण्टेशन दिया। परमार्थ सेवा संस्थान से जुड़ी जल सहेली पुष्पा व रामवती ने पानी की समस्या को दूर करने के लिए कुओं की सफाई कराने का सुझाव दिया।